

[श्री राघवजी]

की फसल पर झोले बरसे हैं। उसमें चार मनुष्य तथा 140 मवेशी मारे गये हैं, 7176 मकान गिर गये हैं। राज्य के 32 जिले इस ओलावृष्टि की चपेट में आ गये हैं।

क्षतिग्रस्त क्षेत्रों में तत्काल राहत पहुँचाने की आवश्यकता है। प्राकृतिक विपदाओं जैसे बाढ़, अकाल साईकलोन आदि के समय केन्द्र सरकार ने मद्देन विपदाग्रस्त क्षेत्रों को तत्काल राहत पहुँचाई है। किन्तु खेद का विषय है कि इस महान विपदा के समय में केन्द्र सरकार अभी तक मौन है। राज्य सरकारें साधनों के अभाव में पर्याप्त सहायता करने में सक्षम नहीं हैं। किसानों की वर्ष भर की मेहनत, पूंजी स्वाहा हो गई है और वह भी उस समय जब कि फसल पक कर तैयार खड़ी थी।

केन्द्र सरकार का यह दायित्व है कि वह तत्काल राज्य सरकारों के माध्यम से ओलाग्रस्त परिवारों को राहत पहुँचाने का प्रबन्ध करे एवं भविष्य में ओलावृष्टि की तबाही से बचने के लिये तेजी से अनुसंधान कार्य प्रारम्भ करे। मैं मंत्री महोदय से निवेदन करता हूँ कि वह इस पर अपना वक्तव्य देने की कृपा करें।

(iii) CLOSURE OF J. K. MANUFACTURERS LTD. KANPUR.

श्री योगेश तिरकी (अलीपुरद्वार) : अध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन यह विषय इस सदन में उठाना चाहता हूँ कि जे० के० मैन्युफैक्चरर्स लि० कानपुर 1 अक्टूबर, 1976 से बन्द है। 2500 श्रमिक भुखमरी के शिकार हैं, 40 अनाहार व दवा के अभाव में मर चुके हैं। मैनजमेंट से मिल इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (रैगुलेशन) एक्ट के अन्तर्गत लेकर चलाने के माननीय उद्योग मंत्री जार्ज फर्नांडीस के दर्जनों बार के वायदों को मज्जा बनाकर मशीनें बेच डाली गई हैं। मशीन खरीद करने वाली बम्बई की एक कंपनी पुलिस की संगीनों के साथे में मशीनें खोद कर निकालने की जी तोड़ कोशिश कर रही है। मजदूरों व सरकार का करोड़ों रुपया, वेतन प्रैच्युटी, बोनस, छुट्टी और टैक्स का कंपनी पर बकाया है। मशीनें निकल जाने से मिल के अधिग्रहण की योजना खटाई में पड़ जायेगी और मजदूरों और सरकार का बकाया भी नहीं मिलेगा। गेट पर मजदूरों के कड़े प्रतिरोध से स्थिति विस्फोटक है और किसी भी समय गोली कांड होकर स्वदेशी गोली कांड की पुनरावृत्ति हो सकती है। मैं माननीय उद्योग मंत्री का ध्यान आकर्षित करता हूँ कि इस सम्बन्ध में वक्तव्य दें।

(iv) REPORTED HUNTING OF MCQUEEN BUSTARD IN SAURASHTRA (GUJARAT).

SHRI HARI VISHNU KAMATH: (Hoshangabad): Mr. Speaker, by your leave, Sir, I proceed, under rule 377,

to make a statement on the following matter of urgent public importance:—

Close on the heels of the alleged hunting of the great Indian Bustard in Rajasthan by some foreigners, comes the report of hunting and killing of the McQueen bustard, a protected species of bird, in Saurashtra (Gujarat) by a foreigner. This is an atrocious depredation by foreigners who seem to look upon our country as a happy hunting ground in more ways than one. The governmental and administrative supervision seems to be grossly lax and needs tightening up, lest worse befall. It is also necessary that a thorough inquiry should be held in order to ascertain how in this particular case of the McQueen bustard hunt, the foreigner concerned was able to commit a crime and go scot-free; and whoever, through laxity or negligence, abetted the foreigner's crime should be brought to book and awarded condign punishment.

MR. SPEAKER: Now we go back to the debate on the General Budget...

SHRI HARI VISHNU KAMATH: Sir, the Minister of State wants to make a statement on what I have raised...

MR. SPEAKER: I would not come in the way if he wants to make a statement. Probably he would like to think over the matter...

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SAMARENDRA KUNDU): Unless the hon. Member desires that I should say something, I have nothing particular to mention.

MR. SPEAKER: He has desired. If you want to make a statement now, you may. Otherwise, we go on to the next business.

SHRI SAMARENDRA KUNDU: I wanted to thank the hon. Member, a vigilant Member of this House, for bringing this matter to our notice. First of all, we have no information about it...